वाराणसी में बनेगा देश का पहला सिग्नेचर ब्रिज

वाराणसी। गंगा में बनने वाले देश के पहले रेल और रोड सिग्नेचर ब्रिज की डिजाइन आगामी 150 साल की परिवहन व्यवस्था को देखते हुए तैयार की गई है। गंगा की निचली सतह से 120 फीट गहरा पुल का सिर्फ फाउंडेशन होगा। उसके बाद पिलर और फिर ब्रिज बनाया जाएगा। 137 साल पुराने मालवीय पुल से लगभग 50 मीटर समानांतर बनने वाला यह ब्रिज ट्रैफिक कैपेसिटी में विश्व के बड़े पुलों में से एक होगा।

यह कॉरिडोर विशेष रूप से उत्तरी, पूर्वी और पश्चिमी राज्यों को जोड़ेगा। बुधवार को कैबिनेट में इस ब्रिज को मंजूरी मिल गई। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने भी अपने एक्स पर काशी ब्रिज के नाम से ब्लू प्रिंट और तस्वीरें साझा की हैं। यह पुल 2028 में बनकर तैयार होगा।

2642 करोड़ पकी लागत से एक किमी से थोड़ा अधिक लंबे सिग्नेचर ब्रिज की डीपीआर फाइनल कर ली गई है। रेलमंत्री ने चार लेन का रेलवे ट्रैक और ऊपर सिक्सलेन की सड़क का ब्लू प्रिंट एक्स पर साझा किया। ब्यूरो

रेलमंत्री ने एक्स पर साझा किया काशी ब्रिज का ब्लू प्रिंट

120	1075	2642
फीट गंगा की निचली सतह से गहरा होगा फाउंडेशन	मीटर होगी सिग्नेचर ब्रिज की लंबाई	करोड़ की ब्रिज बनाने में आएगी लागत

ब्रिज का मॉडल। स्रोत : रेलवे